वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 52 | रविवार 16 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

केंद्रीय मंत्री चौधरी बोले-तीन कृषि बिल वरदान साबित होते

कोरोना नहीं आता तो 2022 तक किसानों की आय दोगुनी हो जाती

जयपुर. कासं

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा है कि अगर कोरोना नहीं आता तो देश के किसान की आय 2022 तक दोगुनी हो जाती। पीएम नरेंद्र मोदी ने किसानों की आय दोगुना करने की घोषणा की थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण दो-ढाई साल काम नहीं हो सका। पीएम मोदी किसानों को समृद्ध बनाने की दिशा में दिन-रात काम कर रहे हैं, लेकिन विपक्ष नहीं चाहता कि किसान संपन्न बनें। चौधरी शनिवार को प्रदेश बीजेपी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। चौधरी ने कहा- मोदी सरकार किसान हित में तीन कृषि बिल लेकर आई थी, तीनों कृषि बिल किसानों के लिए वरदान साबित होते, लेकिन वे राजनीति का शिकार हो गए और लागू नहीं हो सके। हम किसानों के बीच जाएंगे। उनसे चर्चा करेंगे कि उनके हित में क्या हो सकता है। हम आगे किसानों से संवाद करेंगे। जब तक देश का किसान खुशहाल नहीं बनेगा, तब तक विकसित भारत की कल्पना साकार नहीं हो सकती। चौधरी ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के किसान की पिछले 10 साल में जितनी सुध ली गई है, उतनी सुध पिछले 70 साल में नहीं ली गई थी। मोदी सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में कई फैसले किए, लेकिन विपक्ष नहीं चाहता कि देश का किसान सम्पन्न हो। किसानों के हित में मोदी सरकार तीन कानून लेकर आई थी, लेकिन विपक्ष ने उन कानूनों का विरोध किया। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने कहा- मोदी सरकार किसानों की भलाई के लिए हर दिन काम कर रही है, लेकिन विपक्ष किसानों को दबी कुचली व्यवस्था में रखना चाहता है। ताकि वे आगे नहीं बढ़े। किसानों की फसल का पूरा मूल्य देने के लिए पिछले 10 साल में समर्थन मूल्य पर भारी बढ़ोतरी की है। कांग्रेस ने 70 साल में किसानों को उपज का पूरा मूल्य दिया होता तो आज देश का किसान संपन्न होता। चौधरी ने कहा- कृषि मंत्रालय ने 100 दिन की कार्य योजना तैयार की है, जिसमें किसानों की छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। कृषि मंत्रालय के अफसरों के साथ बैठक की है। पीएम मोदी के साफ निर्देश हैं कि किसानों के हितों से किसी तरह का समझौता नहीं हो, किसान हित में इस तरह काम किया जाए कि किसान संपन्न बनें। जब किसान संपन्न होगा तो देश संपन्न होगा।

महाभारत का अंत होता है वहीं से भागवत का प्रारंभ होता है: लाल गोविंददास

ध्रुव चरित्र का वर्णन सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु, सुबह 9 से 12 बजे तक होगा रामनाम संकीर्तन

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोज सुबह उठकर दुकान में या ऑफिस में जो मेहनत करते हैं वह शरीर के लिए है किन्तु शरीर के लिए चाहे जितना भी कर लो जबतक आत्मा के लिए कुछ नहीं करोगे तबतक वास्तविक सुख नहीं मिलेगा। सुखी होने के लिए आत्मा के लिए कुछ करना होगा। उक्त उद्गार ठिकाना मंदिर श्री गोविंददेवजी, जयनिवास उद्यान में शनिवार को श्रीमद्भागवत कथा प्रेमयज्ञ के दौरान लाल गोविंददास महाराज ने व्यक्त किए। महाराज ने कहा कि आत्मा की खुराक है रामनाम। यदि कामधंधे में समय न मिले तो नामजप तो निरंतर कर ही सकते हैं। महाराज ने कहा कि जहां महाभारत का अंत होता है वहीं से भागवत का प्रारंभ होता है। आयोजक शुभम बुढ़वारिया ने बताया कि कथा वाचक ने ध्रुव चरित्र प्रसंग में भगवान ने भक्त की तपस्या से प्रसन्न होकर अटल पदवी देने का वर्णन किया। कथाव्यास ने ध्रुव कथा प्रसंग में बताया कि सौतेली मां से अपमानित होकर बालक ध्रुव कठोर तपस्या के लिए जंगल को चल पड़े। बारिश, आंधी-तूफान के बावजूद तपस्या से न डिगने पर भगवान प्रकट हुए और उन्हें अटल पदवी प्रदान की। उन्होंने भक्तराज ध्रुव की कथा के माध्यम से श्रोताओं को भक्ति और दृढ़ संकल्प को विस्तार से समझाया। ध्रुव चरित्र की कहानी सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। इसके बाद कथाकार ने कृष्ण जन्म की कथा सुनाई।

शीतल तीर्थ का स्थापना दिवस मनाया: 'निष्ठामूर्ति' से विभूषित किया डॉ सविता दीदी को'

रतलाम. शाबाश इंडिया

प.पू. प्रज्ञा पुरुषोत्तम, समाधिस्थ गुरुदेव आचार्य 108 श्री योगीन्द्र सागर जी महामुनिराज की प्रेरणा से रतलाम के धामनोद में स्थित श्री दिगम्बर जैन धर्मस्थल शीतल तीर्थ का स्थापना दिवस एवं कार्यकर्ता सम्मान समारोह शुक्रवार को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम संयोजक नरेन्द्र रारा ने जानकारी देते हुए बताया कि साधको की निर्बाध चर्या पालन एवं जीवदया के उद्देश्य से पूज्य गुरुदेव योगीन्द्र सागर जी के सानिध्य में वर्ष 2009 में इस क्षेत्र की आधार शिला रखी गई थी । 2012 में पूज्य गुरुदेव के प्रयाण के पश्चात उनकी इस कल्पना को आकार देना असम्भव था किंतु क्षेत्र की अधिष्ठात्री डॉ सविता दीदी के अथक प्रयासों से यहाँ गुरु मन्दिर का निर्माण हुआ और निर्माण की पूर्णता से पूर्व ही यह क्षेत्र श्रावको की श्रद्धा का केंद्र बन गया। पंचकल्याणक समिति के महामंत्री डॉ अनुपम जैन ने कहा कि हाल ही फरवरी माह की 21 से 26 तारीख तक प.पू. चर्या शिरोमणि आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महामुनिराज एवं प.पू. अनोखे तपस्वी आचार्य 108 श्री सुन्दर सागर जी महामुनिराज ससंघ सहित लगभग 72 साधको की उपस्थिति में कृत्रिम कैलाश पर्वत पर विराजित भगवान आदिनाथ एवं 72 जिनालयों का ऐतिहासिक पंचकल्याणक भी दीदी के निर्देशन में भव्यता पूर्वक सम्पन्न हुआ । 14 जून को प्रतिवर्ष इस क्षेत्र का स्थापना दिवस मनाया जाता है, ओर इस वर्ष क्षेत्र की पूर्णता के साथ इसे मनाने का उत्साह दोगुना हो गया । संयोग से इस वर्ष पूज्य क्षुल्लिका श्री चन्द्रमती माताजी के सानिध्य आज के आयोजन के लिए प्राप्त हुआ जिसमें प्रातः काल नियमित होने वाले पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात पं.वृषभसेन उपाध्ये व पं पारिस चिंतामणि उपाध्ये के निर्देशन में श्री ऋषिमण्डल विधान का आयोजन किया गया ।इसी अवसर पर कैलाश पर्वत पर विराजित आदिनाथ भगवान की प्रतिमा पर खाचरोद निवासी श्री विजय कुमार सेठी परिवार द्वारा विशाल छत्र भी चढ़ाया गया । दोपहर में क्षेत्र का स्थापना दिवस एवं लब्धि समारोह भव्यता के साथ आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता चेन्नई जैन समाज के अध्यक्ष एवं जाने माने जैन उद्यमी श्री कमल जी ठोल्या द्वारा की गई। पंचकल्याणक महोत्सव की व्यवस्थाओं में सहयोग देने वाले सभी कार्यकर्ताओं का एवं पात्रों के साथ समाज श्रेष्ठियों का सम्मान भी इस अवसर पर किया गया। सभी गुरु भक्तों एवं योगी परिवार के सदस्यों द्वारा इस अवसर पर सविता दीदी को उनकी अगाध गुरु निष्ठा, व क्षेत्र निर्माण के प्रति पूर्ण समर्पण भाव को देखते हुए निष्ठामूर्ति डॉ सविता जैन के नाम से अभिनंदन पत्र भेंट करते हुए विशिष्ठ सम्मान किया गया।

मर्म कार्यशाला का भव्य आयोजन कल

जयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार को प्रातः 9.30 बजे केसरगढ़ कैंपस जे एल एन मार्ग जयपुर स्थित , एक्यू- एड मर्म चिकित्सा कार्यालय पर 42वीं मर्म चिकित्सा विज्ञान कार्यशाला होगी जिसमें प्रसिद्ध आयुर्वेद विद्वानों द्वारा मर्म बिंदुओं को दबाने से व उपलब्ध घरेलू आयुर्वेद औषधियों से शारीरिक व मानसिक रोगों का कम खर्च में कैसे उपचार हो इस पर व्याख्यान होगा। मुख्य वक्ता प्रो विकास शर्मा प्राचार्य, शोभित आयुर्वेद विश्व विद्यालय,सहारनपुर के वरिष्ठ आयुर्वेद विशेषज्ञ आमजन की कोरॉना से कमजोर हुई इम्यूनिटी पर अपना व्याख्यान देंगे। संस्थान के अध्यक्ष डॉ पीयूष त्रिवेदी मर्म चिकित्सा की महत्ता पर प्रकाश डालेंगे। सेमीनार का शुभारंभ धन्वंतरि पूजन से किया जाएगा।इस कार्यशाला की संचालिका डा शिल्पा त्रिवेदी ने बताया कि यह 42वी मर्म विज्ञान कार्यशाला है जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती राजकुमारी अनूप कंवर बाई सा , नीरज मीना वरिष्ठ लेखाधिकारी राज सरकार, होंगे,डा आर एस भारद्वाज सुजोक, डा महेश कुमार अग्रवाल फिजियो थेरेपी अपने विचार रखेंगे।

मुनि श्री शील सागर जी महाराज का मनाया 72वां अवतरण दिवस हर्षोल्लास से

जिसने राग द्वेष जीत लिया वह मोक्ष गामी है: मुनि समत्व सागर महाराज

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में आचार्य 108 श्री विशुद्व सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनि समत्व सागर महाराज सघस्थ मुनि 108 श्री शील सागर महाराज का 72 वां अवतरण दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में प्रातः अभिषेक शांतिधारा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना के बाद विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये, कार्यक्रम में मुनि शील सागर महाराज के 72 वें अवतरण दिवस पर धर्म जागृति संस्थान राजस्थान के अध्यक्ष पदम बिलाला, मधुबन कॉलोनी टोंक फाटक मंदिर के अध्यक्ष अक्षय मोदी तथा मंत्री अनिल छाबड़ा, बैनाड़ मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रकाश गंगवाल,चौमू बाग सांगानेर मंदिर समिति के मंत्री पारस जैन , कीर्ति नगर मंदिर समिति के मंत्री जगदीश जैन सहित सभी पदाधिकारियों ने चित्र अनावरण किया। श्रीमती माणक देवी, दिलीप कुमार, किशोर कुमार, सुनील कुमार कासलीवाल परिवार फागी वाले जयपुर निवासी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम में विशाल जैन,नीतू जैन, सिद्धार्थ जैन, अंजलि जैन परिवार मुल्तान जैन मंदिर जयपुर वालों ने मुनि शील सागर महाराज के माता-पिता बनने का सोभाग्य प्राप्त किया एवं इसी परिवार ने दोनों मुनि राजों के पाद प्रक्षालन करने का धर्म लाभ प्राप्त किया।कार्यक्रम में मुनि समत्व सागर महाराज को मोहनलाल -कमलेश कुमार,महेश कुमार झंडा परिवार फागी वालों ने शास्त्र भेट कर पुण्यलाभ प्राप्त किया तथा मुनि शील सागर महाराज को सकल दिगम्बर जैन समाज चोमू बाग सांगानेर ने शास्त्र भेंट कर धर्म लाभ प्राप्त किया। सांगानेर मंदिर समिति के वार्षिक समारोह की पत्रिका का भी मुनि श्री द्वारा विमोचन किया गया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं मंत्री कमलेश चोधरी ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में सभी आगंतुक मेहमानों का साफा, माला,तिलक शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा एवं सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा ने बताया कि चोमू बाग सांगानेर जैन समाज , बापू नगर जयपुर जैन समाज, मधुबन कॉलोनी जैन समाज, कीर्ति नगर जैन समाज, जनकपुरी इमली फाटक जैन समाज, रेनवाल मांजी जैन समाज, तथा विभिन्न जगहों से आये श्रावक श्राविकाएं ने अवतरण दिवस पर दोनों मुनि राजों को श्रीफल भेंट कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया।

केशवरायपाटन में 1 जुलाई से आठ दिवसीय कल्प द्रुम विधान का होगा भव्य आयोजन

जयपुर वासियों ने मुनिसुव्रत नाथ भगवान के किये दर्शन, श्रद्धालुओं ने लिया स्वस्ति भूषण माता जी का आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में जयपुर से केशवरायपाटन के मुनिसुव्रतनाथ भगवान के दर्शनार्थ एवं केशवरायपाटन में गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी के सानिध्य में कल्प द्रुम विधान एवं क्षेत्र के जीर्णोद्धार के शिलान्यास पर विस्तृत चर्चा हेतु आयोजित मीटिंग में भाग लेने के लिए एक दल रवाना हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक यात्रा दल में शामिल श्रद्धालुओं ने रास्ते में अतिशय क्षेत्र मेहंदवास में जैन धर्म के 8 वें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभू की अतिशयकारी पद्मासन प्रतिमा के दर्शन लाभ प्राप्त किए। तत्पश्चात यात्रा दल केशवरायपाटन के श्री मुनिसुव्रत नाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पहुचा। जहां 2500 वर्ष प्राचीन भगवान मुनिसुव्रत नाथ की अतिशयकारी पद्मासन प्रतिमा के दर्शन लाभ प्राप्त किए। तत्पश्चात भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्ति भूषण माता जी ससंघ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर जयपुर के श्रद्धालुओं ने क्षेत्र पर चल रहे जीर्णोद्धार कार्य एवं 1 जुलाई से 8 जुलाई के दौरान होने वाले श्री कल्प द्रुम महामण्डल पूजा विधान एवं 12 जुलाई को होने वाले मंदिर जीर्णोद्धार के शिलान्यास समारोह पर विस्तृत चर्चा हेतु आयोजित मीटिंग में सहभागिता निभाई। मीटिंग में विनोद जैन कोटखावदा, सूर्य प्रकाश छाबड़ा एवं भारतभूषण जैन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए होने वाले सभी आयोजनों में सहयोग का विश्वास दिलाया। इस मौके पर पूजनीया माताजी ने अपने आशीर्वचनों में क्षेत्र के भगवान मुनिसुव्रत नाथ की अतिशयकारी प्रतिमा के अतिशयो पर प्रकाश डालते हुए भगवान की आराधना की महिमा बताई एवं उपस्थित सभी जैन बन्धुओं से कल्पद्रुम विधान एवं शिलान्यास समारोह तथा मंदिर जीर्णोद्धार के कार्य में तन मन धन से जुड़ने का आव्हान किया। अन्त में गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी द्वारा रचित श्री मुनिसुव्रत नाथ चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

आज कल के रिश्ते, नौकरी जैसे हो गये
बेहतर ओफर मिलते ही चैन्ज हो जाते हैं!

इसलिये रिश्तों और सम्बन्धों में ना आत्मीयता है, ना अपनापन है। सिर्फ और सिर्फ औपचारिकता है। अब रिश्तों में आंतरिक लगाव और माधुर्य नहीं रहा। वजह स्पष्ट है कि हम घर में वही बने रहते हैं जो दुकान, आफिस, दफ्तर और बाजार में होते हैं। भोजन करने भी बैठते हैं तो तिजोरी थाली के आसपास ही आदस रूप में लेते हैं। दरअसल होता यह है कि वह तिजोरी तुम्हारे और पत्नी के बीच, भावनात्मक रूप से जुड़ने में बाधा बन जाती है। जब तुम अपने बच्चों से मिलते हो, उनसे बतियाते हो, तब भी तुम सहज रूप से उनसे घुल मिल नहीं पाते हो। तब भी तुम कोई लबादा ओढे हुये रहते हो। संसार का कोई भी व्यक्ति 24 घन्टे राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री, उद्योगपति या ओफिसर बनकर नहीं रह सकता। जब वे अपने घर पर होते हैं या निजी जीवन शैली को जीते हैं, तो सामान्य आदमी होते हैं। घर के लोग उनसे वैसा ही व्यवहार करते हैं जैसा आप अपने घर में करते हैं। यदि ये 24 घंटे उस पद पर रहे, तो हो सकता है वे पागल हो जाये। जब वे जन समस्याओं के समाधान के लिए निकलते हैं, तब वे अपने उस कद पद का जीवन जीते हैं और जीना भी चाहिए। इसलिये- रिश्तों की कद्र जीते जी करो,, मरने के बाद तो पराये भी रो देते हैं। वक्त निकालकर अपनों से बात कर लिया करो। अगर अपने ही नहीं होंगे तो वक्त का क्या करोगे- ? मन में वहम, बुद्धि में अहम, और व्यवहार में शर्म आ जाये तो रिश्तों की हार सुनिश्चित है। **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

दाहोद में इंडोर खेलकूद 2024 का आयोजन

दाहोद. शाबाश इंडिया। गुजराती दिगंबर जैन समाज महासंघ दाहोद और गुजराती दिगंबर जैन समाज महिला विंग दाहोद के बैनर तले महासंघ के इतिहास में प्रथम बार इंडोर खेलकूद 2024 का आयोजन किया गया। मुख्य रूप से बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, मेहंदी प्रतियोगिता और म्यूजिकल चेयर का आयोजन किया गया। प्रमुख कालिदास भाई गांधी ,उप प्रमुख चंद्रेश भाई भूता, महिला विंग प्रमुख शिलाबेन गांधी के कुशल निर्देशन में एवम डडूका की प्रतिभा पंडित वीरेंद्र कुमार शास्त्री के संयोजन में समाज के 342 खिलाड़ियों ने भाग लिया। विजेता और उपविजेताओं को शील्ड ,प्रमाण पत्र और गिफ्ट द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य स्पॉन्सर गोल्ड माइन, आशास्पोर्ट्स आशा एग्रो, बीमा सलाहकार दर्पण भाई सेठ और पदमावती ट्रेक्टर थे। सह प्रयोजक राकेश भाई गांधी थे। संचालन आयोजन वीरेंद्र शाह ने किया। ये जानकारी फेडरशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के संस्थापक सदस्य अजीत कोठिया ने दी।

वेद ज्ञान

समरसता के लिए प्रेम आवश्यक

जीवन में सरसता के लिए प्रेम आवश्यक है। इसका संबंध मन से है। सांसारिक पदार्थों का इसमें कोई योगदान नहीं है। मन से अधिक ताकतवर कुछ भी नहीं है। इसकी चंचलता जीवन को अस्थिर करती है और मन का टिकना अनेक दुखों से बचाने वाला है। मन जब प्रेम से परिपूर्ण हो तब जीवन बदलने लगता है और आनंद की अवस्था प्राप्त होती है, किंतु प्रेम कर पाना जीवन का सबसे कठिन कर्म है। इसके लिए मन के सारे विकार त्यागने पड़ते हैं और इसे संवेगों से रहित और निर्मल बनाना पड़ता है। यह महान साधना है। कितने ही ऋषियों और मुनियों का सालों का जप-तप मन के चलते पलों में व्यर्थ चला गया। ज्ञानियों का ज्ञान, त्यागियों का त्याग मन की निर्मलता और प्रेम के बगैर निष्फल रहा। घर, परिवार और समाज त्यागने से नहीं, मन के विकार त्यागने से निर्मलता प्राप्त होती है। दूसरा सबसे बड़ा आधार है विश्वास। सारे संशय दूर हो जाएं, भ्रम मिट जाएं और मार्ग स्पष्ट दिखने लगे, तभी मन में विश्वास के बीज अंकुरित होते हैं। विकारों को त्यागने और विश्वास को धारण करने से ही मन में प्रेम की तरंगें उठने की स्थितियां बनती हैं। संसार में प्रेम को विभिन्न रूपों में देखा जा रहा है। माता और पिता से, संतान से, संबंधियों से, स्त्री और पुरुष से, धन, दौलत, शोहरत, शक्ति से प्रेम है, किंतु आवश्यक नहीं कि इनसे सदा आनंद की प्राप्ति हो और कभी दुख न सहना पड़े। अध्यात्म समस्त संबंधों को नाशवान और स्वार्थों पर आधारित मानता है। जब तक हित साधन हो रहा है तब तक संबंध हैं। हित पूरे न होने पर निकट से निकट संबंध भी बालू की भीति की तरह धराशायी हो जाते हैं। प्रेम का वास्तविक रूप परमात्मा से जुड़ने में है, जिसने सारे जीव पैदा किए हैं। जो सबका पिता है, उससे प्रेम का आनंद सदा बना रहने वाला और सुखदायक है। शुद्ध मन और अटूट विश्वास के साथ परमात्मा से प्रेम संबंध कायम करना ही उसे पाने का मार्ग है। इसके लिए भी उसकी कृपा चाहिए। मन में एक बार परमात्मा से प्रेम का रस पैदा हो जाए तो संसार के सारे रस फीके लगने लगते हैं और मन टिकने लगता है। ईश्वर स्वयं प्रेम स्वरूप है।

संपादकीय

''नीट से न्याय''

नीट या मेडिकल प्रवेश परीक्षा विवाद को सुलझाने की कवायद जारी है, इसी कड़ी में सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को नीट-यूजी परीक्षा के आयोजन को चुनौती देने वाली सात याचिकाओं को स्वीकार कर लिया। खास यह कि एक याचिका में इस बार के नीट-यूजी परीक्षा की सीबीआई जांच की मांग की गई है। न्यायालय ने केंद्र सरकार के अलावा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी या एनटीए से भी जवाब मांगा है और अगली सुनवाई 8 जुलाई को बड़े फैसले की उम्मीद है। अब तक के घटनाक्रम से यह तो बिल्कुल साफ हो गया है कि इस बार की प्रवेश परीक्षा में कुछ बड़ी कमियां रह गई हैं। इस बात के भी स्पष्ट संकेत हैं कि परीक्षा के साथ कोई न कोई गंभीर खिलवाड़ हुआ है। यह सुखद है कि एनटीए ने भी ग्रेस मार्क्स के खेल पर ध्यान दिया है और 1,563 छात्रों को फिर टेस्ट में बैठना पड़ेगा। टेस्ट का यह फैसला न्यायोचित है, जिन बच्चों के साथ ग्रेस मार्क्स की वजह से नाइंसाफी हुई है, उन्हें अब न्याय मिलने की संभावना बढ़ गई है। बहरहाल, पूरी परीक्षा को नकार देने की कवायद ठीक नहीं है। लाखों विद्यार्थियों ने बहुत संसाधन और समय लगाकर परीक्षा दी है, उनके साथ न्याय होना चाहिए। अक्सर ऐसा होता है कि जो विद्यार्थी उत्तीर्ण नहीं होते, वे फिर से परीक्षा की मांग करते हैं, पर यहां किसी भी परीक्षा को न्यायोचित ढंग से ही देखना चाहिए। यहां भावना के ज्यादा मायने नहीं हैं। परीक्षा नियम-कायदे का मामला है, उसकी गुणवत्ता के साथ किसी भी तरह का समझौता किसी अन्याय से कम नहीं है। बहरहाल, कहीं न कहीं कुछ अन्याय हुआ है, तभी तो जगह-जगह उच्च न्यायालयों में परीक्षा को चुनौती दी गई है और एनटीए उचित ही चाहता है कि तमाम मामलों की सुनवाई एक ही जगह सर्वोच्च न्यायालय में हो। कोई आश्चर्य नहीं, एनटीए की ऐसी ही मांग पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया गया है। इस पर भी 8 जुलाई को सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ व न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाश पीठ को पूरी कड़ाई के साथ प्रश्नपत्र लीक और कदाचार की सुनवाई करनी पड़ेगी। एक बड़ा खतरा यह है कि अगर कदाचार का सहारा लेने वाले माफिया अभी बच गए, तो मेडिकल प्रवेश परीक्षा पर हमेशा के लिए दाग लग जाएगा। यह संभव है कि इस कदाचार में एनटीए के भी कुछ लोग लिप्त रहे हों, अतः एनटीए की जांच पैनल पर कितना भरोसा किया जाए, यह फैसला अदालत को ही करना चाहिए। यह मांग शायद उचित है कि जांच अदालत की निगरानी में होनी चाहिए। अपने देश में मेडिकल की पढ़ाई का खर्च कई निजी संस्थानों में करोड़ों रुपये में पहुंच गया है। ऐसे में, सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई के लिए जद्दोजहद तेज होती जा रही है। ध्यान रहे, मेडिकल प्रवेश परीक्षा 5 मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी और लगभग 24 लाख विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया था। सबसे बड़ा शक तो यही है कि परिणाम 14 जून को घोषित करने के बजाय 4 जून को घोषित किए गए, उस दिन देश में मतगणना चल रही थी। क्या सफेदपोश लोगों ने यह सोचा कि चुनावी नतीजों के हो-हल्ले में उनका अपराध छिप जाएगा? **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बेकाबू महंगाई

महंगाई पर काबू पाना सरकार के लिए टेढ़ी खीर बना हुआ है। मई में थोक महंगाई पिछले पंद्रह महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई। अब यह 2.61 फीसद पर है, जबकि अप्रैल में यह 1.26 फीसद थी। इसी अवधि में पिछले वर्ष यह नकारात्मक 3.61 फीसद पर थी। जबकि इसके उलट खुदरा महंगाई मई में घट कर 4.75 फीसद पर पहुंच गई, जो इस वर्ष का सबसे निचला स्तर है। थोक महंगाई पिछले तीन महीने से लगातार बढ़ रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का कहना है कि खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे तेल और गैस तथा अन्य विनिर्माण उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से इस वर्ष मई में थोक महंगाई बढ़ी। खासकर सब्जियों की थोक कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखी गई। सब्जियों की थोक महंगाई दर 32.42 फीसद रही। प्याज की थोक महंगाई दर 58.05 फीसद और आलू की 64.05 फीसद दर्ज की गई। भारतीय रिजर्व बैंक आमतौर पर खुदरा महंगाई दर के आधार पर अपनी मौद्रिक नीतियों में बदलाव करता है। मगर मई में खुदरा महंगाई पांच फीसद से कम होने के बावजूद उसने रेपो रेट में कोई बदलाव न करने का फैसला किया। इसलिए कि उसका अनुमान है कि अभी महंगाई का रुख अनिश्चित बना रहेगा और उसमें उतार-चढ़ाव आ सकता है। आमतौर पर थोक महंगाई का असर खुदरा महंगाई पर पड़ता है। जो चीजें थोक में महंगी होती हैं, उनकी खुदरा कीमतें भी बढ़ती हैं। मगर बीते मई महीने में यह क्रम उलटा देखा गया। थोक महंगाई बढ़ी, पर खुदरा महंगाई कम हुई। महंगाई बढ़ने के पीछे आमतौर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का तर्क दिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से रूस-यूक्रेन युद्ध और फिर इजराइल-हमास संघर्ष के चलते दुनिया भर में आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है। विश्व अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही है। जाहिर है, इसका असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ा है। मगर यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। भारत में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी कई वर्ष से हो रही है, जिसका प्रभाव माल ढुलाई पर देखा गया है। मई महीने में तेल की कीमतें इतनी बढ़ी भी नहीं कि उसका सीधा प्रभाव थोक महंगाई पर पड़े। फिर, खुदरा महंगाई घटी हुई कैसे दर्ज हुई, जबकि इसका असर उस पर भी पड़ना चाहिए था। दरअसल, खाने-पीने की चीजों की कीमतों में असंतुलन की बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय व्यापार है। महाराष्ट्र के किसान लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं कि प्याज को निर्यात के लिए खोल दिया जाए, मगर सरकार ने उस पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसकी वजह से उन्हें अपनी लागत भी नहीं मिल पा रही और खुदरा बाजार में औने-पौने दाम पर बेचना पड़ रहा है। इसके उलट, बाहर से दालों, फलों, खाद्य तेल आदि पर आयात शुल्क घटा या हटा देने की वजह से घरेलू जिंस की जगह विदेशी चीजें थोक बाजार में अधिक पहुंचने लगी हैं। यह समझना मुश्किल है कि जो खाद्य वस्तुएं अपने यहां जरूरत से अधिक पैदा हो रही हैं, उनकी घरेलू बाजार में खपत बढ़ाने पर जोर देने के बजाय विदेशी वस्तुओं की आवक क्यों बढ़ाई जाती है। खानेपीने की चीजों की कीमतें बढ़ने से आम लोगों के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उनकी क्रयशक्ति बढ़ाना पहले ही बड़ी चुनौती है, तिस पर महंगाई की मार उनका जीवन दूभर बना देती है।

धर्म संस्कार देने में शिविरों का महत्वपूर्ण योगदानः जिनेश जैन

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। दिगंबर जैन समाज अंबाह के तत्वाधान में पंडित शशांक शास्त्री एवं पंडित सिद्धांत शास्त्री के मार्गदर्शन में आयोजित बाल संस्कार शिविर के समापन अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मौजूद बच्चों एवं समाज जनों को संबोधित करते हुए पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन ने कहा कि हमे भगवान महावीर के दर्शन के अनुरूप जैन संस्कार देने में ऐसे धार्मिक नैतिक संस्कार शिविर अहम भूमिका निभा रहे है। ग्रीष्मावकाश के समय का बच्चों के लिए इससे बेहतर उपयोग नहीं हो सकता है कि हम इसके माध्यम से अपने धर्म को जाने ओर सीखे। धर्म के साथ हमारी अभिरूचियों को भी विकसित करने में ऐसे शिविर उपयोगी सिद्ध हो रहे है ।उन्होंने कहा कि हमारे बच्चें सुसंस्कारित होकर ही देश के आदर्श नागरिक ओर जिनशासन के आदर्श श्रावक-श्राविका बन सकते है। उन्होंने शिविर में सहयोग के लिए वीतराग शासन बालिका मंडल की बालिकाओं का धन्यवाद अर्पित किया जिन्होंने ग्रीष्मावकाश को सार्थक बनाने के लिए शिविर में सहयोग किया। शिविर में धार्मिक अध्ययन कराने के साथ साथ बच्चों को निरोगी काया रखने के लिए योग करने ओर अभिरूची विकसित करने के लिए नृत्य सीखने का भी अवसर प्राप्त हुआ। कुमारी राजुल जैन ने कहा कि बच्चों को संस्कारवान बनाने के लक्ष्य से विन्रम एकेडमी ने इस शिविर में सहयोग प्रदान किया और हम सदैव इसके लिए तत्पर रहेंगे। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अजंली जैन ने कहा कि कहा कि संस्कार शिविर ओर पाठशालाएं हमारे जैनत्व की नींव को मजबूती प्रदान करने में सहायक साबित हो रही है शिविर के समापन पर शिविरार्थी बच्चों ने धार्मिक भावना से ओतप्रोत विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सराहना प्राप्त की ज्ञात रहे कि शिविर में बच्चों के संपूर्ण विकास को ध्यान में रखते हुए धार्मिक, नैतिक, भौतिक शिक्षा के साथ साथ संस्कारों का भी बीजारोपण किया गया। सात दिनों में धार्मिक शिक्षण के साथ धर्म-संस्कार को ग्रहण करते हुए बच्चों ने नित्य देव दर्शन, पूजन, दान, माता-पिता व बड़ों का आदर करना, सप्त व्यसन का त्याग, कंदमूल का त्याग आदि कई नियम को ग्रहण करते हुए जीवन जीने की कला, आत्मरक्षा, जीवदया, कला, नाट्य, गायन, धमार्नुसार सुरक्षा कवच, दान परंपरा, अन्य जीवों की रक्षा करना, आदि के साथ बच्चों को खेल-खेल में धार्मिक पाठ याद करवाए गए शिविर के दौरान बच्चों को देव वंदना करवाई गई।

फादर्स डॉल्फिन प्रीमियर लीग का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रताप नगर स्थित डॉल्फिन हाई स्कूल ने फादर्स डे के सम्मान में एक बेहद सफल कार्यक्रम का आयोजन किया। फादर्स डॉल्फिन प्रीमियर लीग (एफडीपीएल) के नाम से जाना जाने वाला यह आयोजन जबरदस्त सफल रहा।जिसमें फादर्स ने रोमांचक मैचों की श्रृंखला में भाग लिया। दिन का पहला मैच डॉल्फिन हाई स्कूल-कऔर डॉल्फिन हाई स्कूल-क्कके बीच हुआ। दूसरा मैच डॉल्फिन इंटरनेशनल स्कूल, कंवर नगर और डॉल्फिन इंटरनेशनल स्कूल, राजा पार्क के बीच हुआ। मैच की अंतिम विजेता टीम डॉल्फिन हाई स्कूल प्रताप नगर और उपविजेता टीम डॉल्फिन इंटरनेशनल स्कूल राजा पार्क रही। मैच के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज राज मोहन शर्मा, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मो. -शोएब खान टूर्नामेंट के बेस्ट ऑफ द मैच रवि रंजन कुमार और तीन मैचों के मैन ऑफ द मैच धर्म राज चौधरी, उमैर और शाकिब रहे। अंत में सभी फादर्स को उनकी खेल भावना के लिए डॉल्फिन्स हाई स्कूल, प्रताप नगर की प्रिंसिपल ने पदक देकर सम्मानित किया गया।

5 दिवसीय शारीरिक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। लायन्स क्लब के तत्वावधान में विश्वस्तरीय शायरोकेब लेब मुम्बई द्वारा 5 दिवसीय सम्पूर्ण शारीरिक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया जिसमें जांच रिपोर्ट हेल्थ एक्सपर्ट द्वारा परामर्श दिया गया। शिविर के मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि शिविर 12 जून से 16 जून तक स्थानीय डाक बंगले में आयोजित किया जाएगा। दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ राहुल जैन ने बताया कि शिविर में मात्रा एक ब्लड सैम्पल से पूरे शरीर की सामान्य एवं विशेष जांचें की गई। शिविर में विटामिन जांच थाइराइड जांच हार्ट कोलेस्ट्रॉल सम्बन्धित जांच लीवर सम्बन्धित जांच किडनी सम्बन्धित जांच शुगर की विश्वस्तरीय जांच खून की सम्बन्धित जांच जोड़ों के दर्द सम्बन्धित जांच की गई।

जेसीआई मुरैना जागृति और स्टार ने किया वृक्षारोपण

पर्यावरण संरक्षण के विशेष प्रोजेक्ट पर किया कार्य

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से स्वयंसेवी संगठन जेसीआई (गो-ग्रीन) ने एक खास प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके तहत जेसीआई के सभी चैप्टर अपने-अपने शहरों में पार्क या भूखंड गोद लेकर वहां हरा-भरा उद्यान विकसित करेंगे। प्रोजेक्ट के तहत जेसीआई मुरैना जागृति और जेसीआई स्टार ने अलग-अलग स्थानों पर पौधरोपण किया। विश्व पर्यावरण दिवस से शुरू किए गए इस अभियान के अंतर्गत जेसीआई मुरैना जागृति ने फाटक बाहर स्थित मां स्वास्ति इंटरनेशनल स्कूल में पौधे रोपे। जेसीआई गो-ग्रीन की कोर्डिनेटर भावना जैन ने बताया कि उन्होंने स्कूल के पार्क को गोद लिया है। यहां अभी पौधरोपण किया गया है। इन पौधों की सतत देखभाल की जाएगी और जरूरत के हिसाब से इन्हे पोषित किया जाएगा। हम सब जेसीआई मेंबर्स एक संकल्प के साथ यहां उद्यान डवलप करेंगी। इसके अलावा जेसीआई स्टार के सदस्यों ने भी इस प्रोजेक्ट से जुड़कर पौधरोपण किया और विभिन्न प्रजाति के पौधों का वितरण भी किया। जेसीआई गो-ग्रीन कोर्डिनेटर भावना जैन ने बताया कि हम लोग मानसून का इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही बारिश शुरू होती है, शहर और आसपास के क्षेत्र में अन्य स्थानों पर भी पौधे लगाए जायेंगे। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट के तहत गोद लिए गए पार्क या भूखंड की वर्तमान तस्वीर और फिर उद्यान विकसित होने के बाद की फोटो जोन में भेजने की शर्त रखी गई है। इसलिए जेसीआई के सभी चैप्टर्स को यह टास्क कम्पलीट करना ही है। जेसीआई अध्यक्ष ललिता गोयल ने बताया कि मानसून से पहले हम सभी मेंबर्स मीटिंग बुलाकर पौधरोपण के लिए स्थान चयनित कर लेंगे। जेसीआई मुरैना जागृति के पौधरोपण कार्यक्रम में गो-ग्रीन कोर्डिनेटर भावना जैन के अलावा अध्यक्ष ललिता गोयल, सचिव कंचन चावला, आइपीपी ज्योति मोदी, सारिका गर्ग आदि शामिल हुईं।

कवि डी के जैन मित्तल (टीवी फेम) को मिला सारथी रत्न सम्मान

मथुरा. शाबाश इंडिया। सारथी परिवार द्वारा आयोजित हो रहे तीन दिवसीय काव्य महाकुंभ में आज तीसरे दिन 15 जून को मथुरा में भूतपूर्व सांसद राष्ट्रीय कवि प्रो ओमपाल सिंह निडर, मफतलाल अग्रवाल, हास्य कवि सबरस मुरसानी के द्वारा कामां के युवा कवि डी के जैन मित्तल को सारथी रत्न सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में उपस्थित प्रसिद्ध राष्ट्रीय कवियों का आशीर्वाद मिला।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूज्यनीय

श्रीमती कंचनदेवी

(धर्मपत्नी स्व. श्री पूनमचंद जी पाटनी (ढूंढिया)

का आकस्मिक निधन शुक्रवार, 14 जून 2024 को हो गया है।

तीये की बैठक रविवार, 16, जून 2024 को प्रातः 9:00 बजे भट्टारक जी की नसियां (तोतूका भवन) में रखी गई है।

शोकाकुलः कमल-वीणा, विमल-आशा, प्रमोद-बबिता, प्रकाश-बीना, (पुत्र-पुत्रवधु), प्रमिला-विनोद लुहाड़िया (पुत्री-दामाद), अमित-शिल्पा, अंकुर-मिली, मयंक-प्रिया, रौनक-आरुषि, हर्षित (पौत्र-पौत्रवधु), निधि-अमित, अंबिका, प्रियंका-भूपेंद्र, पारुल-निपुन, नेहा-रोहित, नुपुर-निमेश, (पोत्री-दामाद), परिधि-देवांग, सुनिधि (दोहिती-दामाद) भूमित, भवित, चारवी, रेयांश, काव्या, (प्रपोत्र-प्रपोत्री), महेंद्र, सुनील, अनिल, दिलीप, पवन, राजेश, संजय पाटनी (भतीजे), छिगना, मगना, प्रेम, मुन्नी-प्रकाश काला, मंजू-राजकुमार, लता (भतीजी-दामाद) एवं समस्त पाटनी (ढूंढिया) परिवार मो. 9314871101, 9999032281, 9414976135

पीहरपक्ष :श्रीमती मुन्ना देवी, वीरेंद्र-मधु, उषा, स्नेहलता एवम समस्त शाह परिवार

जवाहर नगर में होगा मंदिर वार्षिकोत्सव का आयोजन

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरुमां विज्ञाश्री माताजी ससंघ मालवीय नगर से. 7 जयपुर में विराजमान है। गुरु भक्त पद्म पाटनी, सुरेन्द्र पाटनी, दीपक सेठी, प्रशांत जैन ने गुरु माँ के श्री चरणों में श्रीफल चढ़ाकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। जवाहर नगर समाज के पदाधिकारी गण महेंद्र जैन बक्शी, अंकित बज, विमल जैन ने अल्प प्रवास हेतु एवं मंदिर जी के वार्षिकोत्सव में मंगल सान्निध्य प्राप्त हो इस हेतु गुरु मां को श्रीफल समर्पित किया। पूज्य गुरु मां की आहारचर्या कराने का परम सौभाग्य प्रकाश चंद चंदलाई वालों ने प्राप्त किया। मालवीय नगर सेक्टर 3 समाज के पदाधिकारी वर्ग ने अध्यक्ष सी. एल. जैन के साथ गुरु मां के चरणों में श्रीफल समर्पित किया। शाम 6 बजे आर्यिका संघ का मंगल विहार मालवीय नगर से. 3 की ओर हुआ। आर्यिका गुरुमां विज्ञाश्री माताजी ससंघ का 17 जून 2024 को जवाहर नगर मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। मंदिर जी वार्षिकोत्सव का आयोजन माताजी ससंघ के सान्निध्य में होगा। कमेटी अध्यक्ष महेंद्र बक्शी एवम मंत्री अजय गोधा ने बताया कि मंदिर जी का स्थापना दिवस 17 और 18 जून ,2014 को बड़ी धूम धाम से मनाया जा रहा है इस बार इस सुनहरे अवसर पर प.पू.भारत गौरव पुरातत्व रक्षिका,श्रमणी गणिनी आर्यिका 105 गुरूमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का 17 जून को प्रातः भव्य मंगल प्रवेश भी हो रहा है। 17 जून को प्रातः माता जी प्रवेश के बाद पार्श्वनाथ विधान में बैठने वाले और शाम को 8.00 बजे से 48 दीपकों से होने वाले भक्ताम्बर विधान का आयोजन होगा। 18 जून को प्रातः7.00 बजे 24 तीर्थकरो की शांति धारा की जाएगी।

संस्कार शिविरों के माध्यम से हुआ संस्कारों का बीजारोपण

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

शिवपुरी। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में 20 से अधिक स्थानों पर एक साथ 5 जून से 12 जून तक संस्कार शिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। सकल जैन समाज महापंचायत शिवपुरी के कार्याध्यक महेंद्र जैन भैयन ने जानकारी देते हुए बताया कि परम पूज्य संत शिरोमाणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के परम शिष्य निर्यापक श्रमण श्री 108 सुधासागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से गुना शिवपुरी एवं अशोकनगर जिले में एक साथ 20 से अधिक स्थानों पर 5 जून से 12 जून तक संस्कार शिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया था। इन सभी संस्कार शिक्षण शिविरों में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से पधारे 40 से अधिक विद्वानों के द्वारा छहढाला,सुनीति सतक,भक्तामर,रत्न कण्ड श्रावकाचार, मूकमाटी,जैन बाल बोध भाग 1-2 आदि महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन बहुत ही सरल भाषा में शिविरार्थियों को कराया गया। शिविर में प्रतिदिन सुबह दोपहर एवं रात्रि में कक्षाएं लगाई जाती थीं। गुरुवार 13 जून को गुना शिवपुरी एवं अशोकनगर में आयोजित सभी शिविरों का सामूहिक समापन श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन छत्री मंदिर जी अतिशय क्षेत्र शिवपुरी पर किया गया।

एशियाड सर्कस में पूरे परिवार के लिए जमकर मनोरंजन का खजाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

आजकल ज्यादातर लोग मनोरंजन का साधन एक मात्र मोबाइल को मान बैठे हैं और अपने घरों से बाहर मनोरंजन के लिए बहुत कम निकलते हैं, लेकिन जैसे ही सर्कस का नाम जेहन में आता है परिवार के सभी लोग घर से बाहर निकल कर सर्कस देखना चाहते हैं। जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में काफी टाइम बाद एशियाड सर्कस अपने पूरे साजों सामान के साथ मनोरंजन का खजाना लेकर आया है। सर्कस के संचालक का कहना है कि सर्कस के कलाकार दर्शकों को बोर नहीं होने देते। सर्कस में एक के बाद एक हैरतअंगेज खेल एवं करतब दिखाकर सर्कस के कलाकार लोगों को तालियां बजाने एवं हंसने-हँसाने पर मजबूर कर देते हैं। एशियाड सर्कस एयरकूल्ड, आधुनिक तम्बू में अपने दर्शकों को बैठने की व्यवस्था उपलब्ध करता है। जिसमें गर्मी से राहत के साथ हर आइटम को आरामदायक कुर्सियों पर बैठकर दर्शक आनंदपूर्वक मनोरंजन करते हैं। एशियाड सर्कस के संचालक का कहना है सर्कस में तराशे हुए कलाकारों द्वारा जमीन से 60 फिट हवाई झूला, रिंग डांस, फायर डांस, कलाकारों द्वारा स्टाइल से चलाते हुए साइकलों के करतब, छोटे-छोटे (बोने) कलाकारों की हंसी की फुहार, गोले में तीन-तीन मोटर साईकलों पर करतब दिखाते हुए कलाकार, अफ्रीकन कलाकारों द्वारा दिल छू लेने वाली जिम्मास्टिक एवं बच्चों और पूरे परिवार के लिए बहुत से मनोरंजक करतब जो दर्शकों की वाह वाही बटोरते हैं। उन्होंने बताया कि दर्शकों के लिए सर्कस समय रोजाना दोपहर 2 बजे, 5 बजे और शाम 8 बजे से रखा गया है। दर्शक काउंटर से एवं बुक माय शो व पे टीएम से अपने लिए एडवांस टिकिट ले सकते हैं।

जैन सोशल ग्रुप गोल्ड का शपथ ग्रहण रविवार को

जयपुर. शाबाश इंडिया। जे एस जी गोल्ड का नव वर्ष का पहला कार्यक्रम शपथ ग्रहण समारोह एवं म्यूजिकल नाइट दिनांक 16 जून 2024 रविवार को होटल हयात में होने जा रहा है। जिसमें शामिल किए जा रहे है, रोचक गेम्स, म्यूजिकल डांस और बहुत ही शानदार मनोरंजन कार्यक्रम। इस कार्यक्रम को होस्ट कर रही है, सुप्रसिद्ध, एंकर मॉडल शिखा जैन। कार्यक्रम में सभी सदस्यो को ग्रुप द्वारा शानदार गिफ्ट दी जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह में अध्यक्ष राजकुमार बेद, उपाध्यक्ष विनीत चांदवाड, सचिव मनीष चांदवाड, संयुक्त सचिव रोहित जैन, कोषाध्यक्ष भरत जैन के साथ संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोधा और निवर्तमान अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पाटनी पदाधिकारी के रूप में शपथ लेंगे।

अमीरगंज टोंक में चातुर्मास व्यवस्था समिति का गठन

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन नसिया अमीरगंज टोंक में शुक्रवार की रात्रि को बालाचार्य श्री निपुन नंद जी महाराज के ससंघ के चातुर्मास की व्यवस्था हेतु चातुर्मास व्यवस्था समिति का गठन किया गया जिसमें संरक्षक पदमचंद आडरा, श्यामलाल जैन, अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया, मंत्री धर्मचंद पासरोटिया, महामंत्री वीरेंद्र संघी, उपाध्यक्ष कमलचंद आंडरा, सहमंत्री फतेहचंद सर्राफ, कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद टोरडी, लालचंद फुलेता, सहकोषाध्यक्ष ज्ञानचंद संघी, प्रचार प्रसार मंत्री एवं प्रवक्ता पवन कंटान और कमल सर्राफ को बनाया गया इसके अलावा भोजन, आवास, मुनिसेवा समिति और अनेक उपसमितियां बनाकर चातुर्मास की व्यवस्था बाट दी गई। इस मौके पर समाज के अध्यक्ष भागचंद फुलेता, राजेश सर्राफ पप्पू नमक, सुरेश संघी, नवीन कार्यकारिणी को माला दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर रमेश काला, प्रदीपनगर सुरेंद्र अजमेरा, प्रकाश सेठी, निहाल मोहम्मद गढ़ ओम ककोड़ नीटू छामुनिया आदि समाज के लोग उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com